Date
Page

Class - I. Com XII
Subject - EPS
Title - Importance of Planning
Lecture - 14
By - Dr C P Sahu
Marwari College. DBG

योजना के महत्व, लाभ एवं आवश्यकता (1)

नियोजन समय-समय पर व्यवसायी का मार्गदर्शन करता है, भावी कठिनाइयों एवं खतरों के प्रति सचेत करता है। नियोजन के अभाव में व्यवसाय अस्त-व्यस्त हो जाता है। अतः पग-पग पर इसकी आवश्यकता होती है।

जिस प्रकार बिना उपयुक्त हथियार के सैनिक, बिना अध्ययन के शिक्षक, बिना पतवार के नाविक, बिना कलम के लेखक अपना कार्य सम्पन्न नहीं कर सकते ठीक उसी प्रकार नियोजन के बिना व्यवसायी सफलता की कामना नहीं कर सकते

टैरी के अनुसार :- "सफल प्रबन्धक दूरदर्शी समस्याओं का सामना करते हैं जबकि असफल प्रबन्धक दृष्टिहीन समस्याओं के साथ संघर्ष करते हैं।"

नियोजन के महत्व, लाभ एवं आवश्यकता निम्नरूप से स्पष्ट कर सकते हैं :—

(1) एकता एवं समन्वय स्थापित करने के लिए - विभिन्न क्रियाओं के बीच एकता एवं समन्वय स्थापित नहीं किया जायेगा जबतक लक्ष्य पर नहीं पहुँचा जा सकेगा। उपक्रम की सम्पूर्ण संगठन-व्यवस्था में इस बात का विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है। इस तरह नियोजन की आवश्यकता उपक्रम के विभिन्न कार्यों में एकता एवं समन्वय स्थापित किया जाता है।

(2) भावी अनिश्चितताओं तथा परिवर्तन का सामना के लिए — एक बार कार्य प्रणाली निश्चित करने के बाद सदा उस पर चला जा सकता। अनिश्चितता एवं परिवर्तनशीलता का सामना करने के लिए नियोजन की आवश्यकता होती है।

कूण्ट्ज के अनुसार - "नियोजन संस्था को परिवर्तनों से सामना करने की

योग्यता में सुधार करता है।" ②

इसलिए इन परिस्थितियों का सामना करने के लिए नियोजन रूपी अस्त्र का होना परम आवश्यक है।

③ संगठन को प्रभावी बनाने के लिए – परिणामों की प्राप्ति में लगने वाली आवश्यक देरी तथा लालफीताशाही को समाप्त करके प्रबन्धकीय कार्यों को गति प्रदान करता है। यह दोहरी क्रियाओं की समाप्ति करके संगठन में होने वाली अपव्यय पर रोक लगाता है। इस तरह कुशल नियोजन से संगठन प्रभावी बनाता अथवा उसकी गति तीव्र होती है।

④ मनोबल एवं अभिप्रेरणा में वृद्धि के लिए – एक अच्छी योजना संगठन के प्रत्येक स्तर पर कर्मचारियों को शामिल करने को प्रोत्साहन देती है कार्यों के बारे में जानकारी देती है। प्रेरणात्मक मजदूरी पद्धति लागू करने पर बल देती है। जिससे कर्मचारियों के मनोबल एवं अभिप्रेरणा में वृद्धि होती है।

⑤ उपलब्ध साधनों का श्रेष्ठतम उपयोग के लिए – नियोजन विभिन्न क्रियाओं में एकता एवं समन्वय स्थापित करने में सहायक होने के कारण उपलब्ध साधनों का श्रेष्ठतम उपयोग किया जाना संभव हो जाता है।

⑥ उतावले निर्णय पर रोक लगाने के लिए – हेमन के अनुसार " नियोजन के माध्यम से उतावले निर्णयों और अटकलबाजियों को समाप्त किया जाता है।" यही कारण है कि नियोजन में साधनों के संबंध में उपलब्ध विकल्पों में सर्वश्रेष्ठ विकल्प का चुनाव करता है।

⑦ नियंत्रण को सुविधाजनक बनाने के लिए – इसके अन्तर्गत प्रत्येक प्रबन्धक अपने अधीनस्थों की प्रक्रिया पर सर्वोत्तम ढंग से नियंत्रण स्थापित करता है।

उपर्युक्त बातों के अलावा अन्य लाभ भी है जो निम्न है – (i) प्रतिस्पर्द्धी शक्ति में सुधार (ii) मितव्ययिता लाने के लिए (iii) नियोजन के विकास में सुधार (iv) कुशल नियोजन (v) नियोजन अधिकारों के प्रत्यायोजन में सहायक होता है।